लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2618

05 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत-जापान वस्त्र व्यापार और निवेश सहयोग

2618. थिरु दयानिधि मारन:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2024 में जापान के कुल वस्त्र और परिधान आयात की मात्रा कितनी है और इस अवधि में भारत का जापान को निर्यात कितना है;

(ख) क्या सरकार द्वारा जापानी वस्त्र आयात बाजार में भारत की हिस्सेदारी को प्रभावी रूप से बढ़ाने के लिए विशिष्ट व्यापार सुविधा उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने हाल के वक्तव्यों में इस बात पर प्रकाश डाला है कि जापानी निवेशकों ने पीएम मित्र पार्क पहल में रुचि दिखाई है;

(घ) यदि हाँ, तो इन पार्कों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध जापानी कंपनियों की सूची क्या है साथ ही संचालन की समय-सीमा क्या है;

(ङ) भारत के वस्त्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं को प्रोत्साहित करने के लिए जापानी निवेशकों को श्रम और बिजली राजसहायता के अलावा कौन से विशिष्ट नीतिगत साधन या प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं; और

(च) सरकार, जापान द्वारा टिकाऊ, उच्च-गुणवत्ता वाले परिधानों को प्राथमिकता दिए जाने को ध्यान में रखते हुए, किस प्रकार भारतीय निर्माताओं को हरित प्रथाओं को अपनाने और जापानी इको-लेबलिंग तथा गुणवत्ता प्रमाणन को पूरा करने में सहायता कर रही है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वर्ष 2024 में जापान को भारत का कुल वस्त्र एवं अपैरल निर्यात 354 मिलियन डॉलर है और विश्व से जापान का कुल वस्त्र एवं अपैरल आयात 30,873 मिलियन डॉलर है। (स्रोत: यूएनसीओएम ट्रेड डेटाबेस)

(ख): भारत ने टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और साझेदार बाजारों में भारतीय निर्यातकों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए संरचनात्मक मुद्दों को हल करने के लिए वर्ष 2011 में भारत-जापान सीईपीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) और (घ): हाल ही में जापान के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दौरे के दौरान, संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला की अग्रणी जापानी कंपनियों के साथ कई बैठकें हुईं। इन बैठकों के दौरान, जापानी स्टेकहोल्डरों को पीएम मित्र पार्कों में निवेश करने और भारत के जीवंत वस्त्र इकोसिस्टम का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया। इनमें अपैरल, मशीनरी, तकनीकी वस्त्र और फैब्रिक प्रसंस्करण क्षेत्र की कंपनियाँ शामिल हैं।

(ङ): सरकार भारतीय वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं/पहलों को क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय प्लग एंड प्ले टेक्सटाइल अवसंरचना के निर्माण हेतु पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर केंद्रित उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शामिल है।

(च): वस्त्र मंत्रालय ने भारतीय वस्त्र उद्योग को एक सस्टेनेबल और रिसोर्स एफिसिएंशट उत्पादन प्रणाली की ओर अग्रसर करने के उद्देश्य से एक पर्यावरण, सामाजिक और शासकीय (ईएसजी) टास्कफोर्स का गठन किया है। यह टास्कफोर्स उद्योग के स्टेकहोल्डरों के साथ विचार-विमर्श करके सस्टेनेबल उत्पादन मॉडल अपनाने में आने वाली समस्याओं और वर्तमान स्थिति का पता लगाता है।

जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय (एमईटीआई) के तहत ओवरसीज टेक्निकल कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबल पार्टनरशिप संघ (एओटीएस) विभिन्न भारतीय वस्त्र निर्यात केंद्रों अर्थात मुंबई, कोलकाता, जयपुर और तिरुपुर में वस्त्र समिति के तकनीकी अधिकारियों के लिए जापानी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से मानव संसाधन विकास परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है।

***